

पशुपालन वभाग डायल 112 की तरज पर 200 पशु ँबुलेंस कराएगा तैयार

चर्चा में क्यों?

1 जुलाई, 2023 को हरयाणा के कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने राज्य के भविानी ज़िले के बहल में लुवास हसिर की ओर से स्थापति हरयाणा पशु वजिज्ञान केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर बताया कि पशुपालन वभाग पुलसि पीसीआर की डायल 112 की तरज पर 200 ँबुलेंस तैयार कर रही है।

प्रमुख बदि

- प्रदेश सरकार कसिानों की आय बढ़ाने के लिये परंपरागत खेती के अलावा पशुपालन, मछलीपालन, बागवानी जैसी योजनाओं को बढ़ावा दे रही है ताकि कसिान उनको अपनाकर समृद्ध हो सकें, इसीलिये ँबुलेंस तैयार की जा रही हैं।
- वभाग की ओर से 70 पशु चकितिसा ँबुलेंस खरीदी गई है और 130 ँबुलेंस की खरीद की जानी है। इनके लिये एक टोल फ्री नंबर दया जाएगा, जसि पर कॉल करने से पशुपालक को बीमार पशु के लिये चकितिसकीय सेवा उसके घर, द्वार पर मलिंगी।
- कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र में लागू योजनाओं से हरयाणा प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देशभर में दूसरे नंबर पर आ गया है। प्रदेश सरकार ने जो भी योजनाएँ लागू की हैं, उनमें अधिकतर योजनाएँ कसिान के उत्थान और विकास से जुडी हैं।
- राज्य सरकार ने कसिान को फसल बुवाई के समय खाद, बीज सहति अन्य ज़रूरतों को पूरा करवाने के अलावा कसिान के उत्पाद की एमएसपी पर खरीद सुनिश्चति की है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा से खराब फसलों को पूरा मुआवजा देकर खेती को जोखमि रहति बनाया है।
- इस अवसर पर कृषि मंत्री ने बताया कि लोहारू क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने के लिये जहाँ नहरों की मरममत व नई नहरें बनवाई गई हैं। वहीं टेल तक पानी पहुँचाने का प्रयास कया गया है।
- उन्होंने बताया कि लुवास का भविानी के बहल में बनने वाला सेंटर क्षेत्र के कसिान व पशुपालकों के लिये मील का पत्थर साबति होगा। अब लोगों को पशु उपचार के लिये हसिर नहीं जाना पड़ेगा।
- पशुपालकों को इस केंद्र में पशुओं की वभिन्न बीमारयों के लिये एकसरे, अल्ट्रासाउंड, सर्जरी, गायनी की पूरी सुवधि होगी। इसके अलावा, केंद्र ईटीटी (ईम्ब्रो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी) की तकनीक पर काम करते हुए ऐसी नसल के पशु तैयार करेगा। जसिसे ज्यादा दूध मलिंगा और नसल सुधार होगी। यह प्रदेश का तीसरा ऐसा केंद्र है, जसिमें ये सब सुवधिएँ उपलब्ध हैं।



//

PDF Referenece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/animal-husbandry-department-will-prepare-200-animal-ambulances-on-the-lines-of-dial-112>

